ये अव्यक्त इशारे

जमा का खाता बढ़ाओ, बचत की स्कीम बनाओ

2-03-2023

कई बच्चे भोले बनकर चेकिंग करते हैं सोचते हैं कि सारे दिन में कोई विशेष गलती तो की नहीं, बुरा सोचा नहीं, बुरा बोला नहीं। लेकिन यह चेक नहीं करते कि दिव्य वा अलौकिक कर्म किया? वर्तमान का दिव्य संकल्प वा दिव्य बोल और कर्म भविष्य के लिए जमा करता है। तो इसमें सिर्फ खुश नहीं होना कि हमने वेस्ट तो किया नहीं लेकिन बेस्ट कितना बनाया? दुःख नहीं दिया यह तो ठीक लेकिन सुख देने से जमा होता है, तो सुख कितनों को दिया? ऐसी महीन चेकिंग करो।

गुल्जार दादी जी द्वारा उच्चारित अनमोल रत्न-

समस्या को परिवर्तन करके समाधान स्वरूप बनने के लिए स्वयं में शक्ति भरनी है। अपने को शिवशक्ति समझेंगे तो कभी भी नरम स्वभाव, रोना, रूसना... इस प्रकार की कोमलता नहाहोगी। तो अपने को छोटी वा कुमारी या पुरुषार्थी नहीं समझना। कुमारी है तो कोमलता है। अभी तो बाबा का स्थान मिल गया, बाबा की गुरू भाई बन गई, तो अभी कर्मों की गति को ध्यान में रखते हुए बहुतकाल से तीव्र पुरुषार्थी की स्थिति होनी चाहिए। बहुतकाल के पुरुषार्थ के विजयी क्योंकि हम जो भी कुछ करते हैं, उसका हिसाब तो बन ही जाता है। गलती की तो दण्ड का भी हिसाब है।